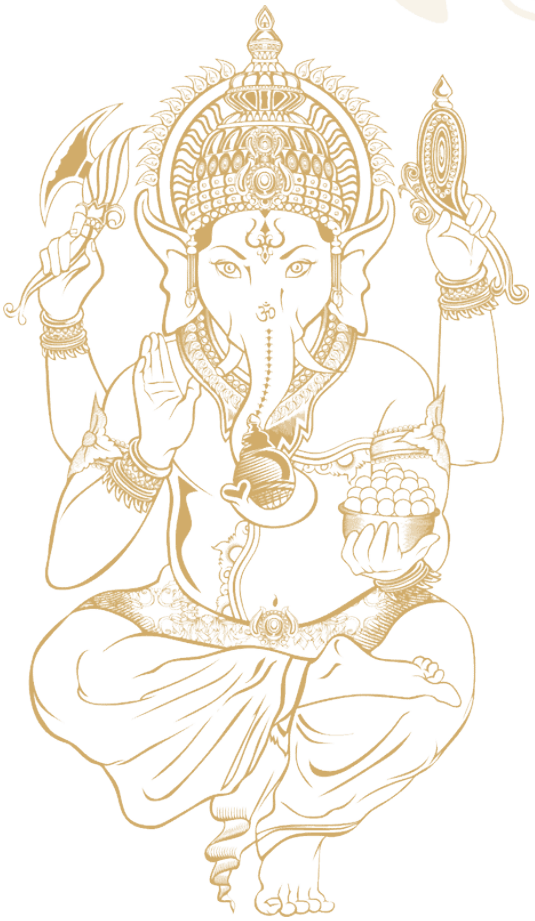

Vijay

28 Jul 1986

03:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121864504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/07/1986**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	53:21:23 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:28 घंटे
साम्पातिक काल	22:59:56 घंटे
सूर्योदय	05:39:26 घंटे
सूर्यास्त	19:15:23 घंटे
दिनमान	13:35:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	10:52:20 कर्क
लग्न के अंश	05:07:19 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	धृति
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	05:07:19	332:49:13	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	---
सूर्य			कर्क	10:52:20	00:57:20	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मेष	02:24:35	12:17:48	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		धनु	19:22:04	00:12:01	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध	व	अ	कर्क	03:49:52	00:32:00	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु	व		कुंभ	28:49:03	00:02:55	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
शुक्र			सिंह	24:28:18	01:05:53	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		वृश्चि	09:28:52	00:00:59	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			मेष	00:48:15	00:00:04	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			तुला	00:48:15	00:00:04	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	25:04:48	00:01:27	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप	व		धनु	09:57:50	00:01:20	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	10:54:51	00:00:26	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	20:01:46	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:04

लग्न-चलित

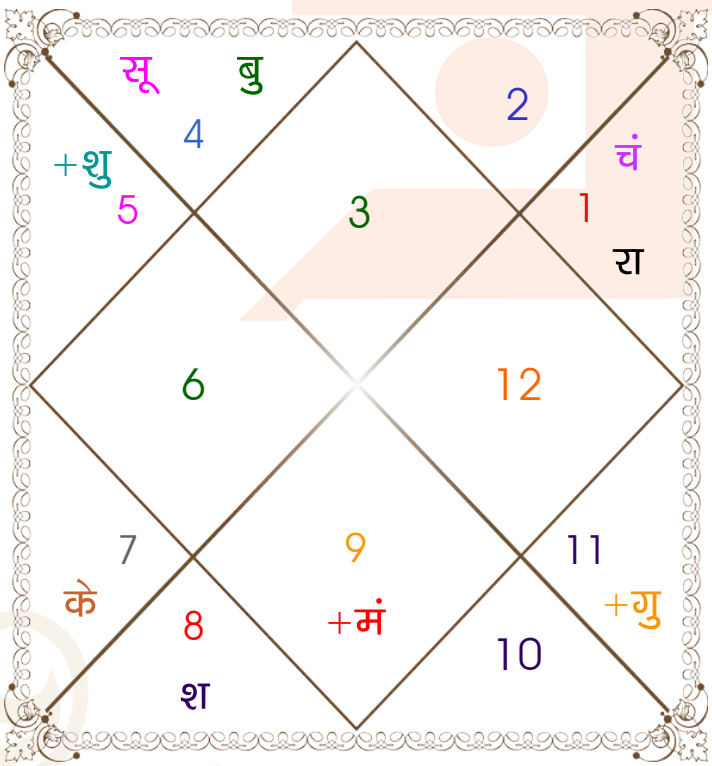

चन्द्र कुंडली

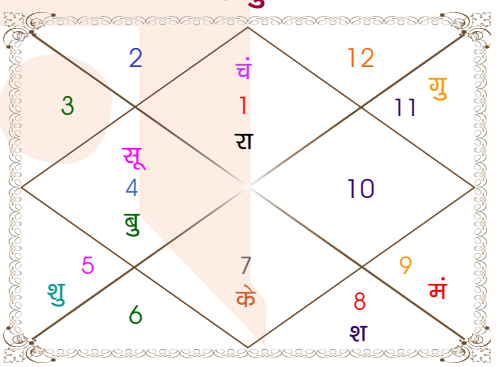

नवमांश कुंडली

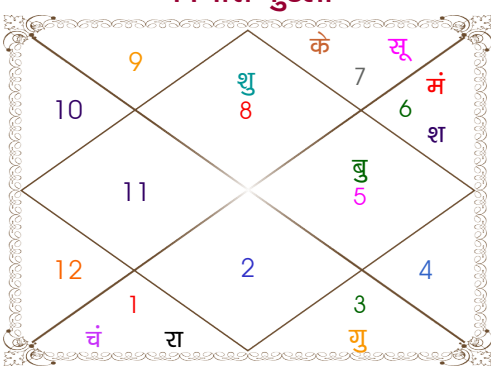

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 8 मास 24 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/07/1986		21/04/1992		21/04/2012		22/04/2018		21/04/2028	
21/04/1992		21/04/2012		22/04/2018		21/04/2028		22/04/2035	
	28/07/1986	शुक्र	22/08/1995	सूर्य	09/08/2012	चंद्र	20/02/2019	मंगल	17/09/2028
शुक्र	18/11/1986	सूर्य	21/08/1996	चंद्र	07/02/2013	मंगल	21/09/2019	राहु	06/10/2029
सूर्य	26/03/1987	चंद्र	22/04/1998	मंगल	15/06/2013	राहु	22/03/2021	गुरु	12/09/2030
चंद्र	25/10/1987	मंगल	22/06/1999	राहु	10/05/2014	गुरु	22/07/2022	शनि	22/10/2031
मंगल	22/03/1988	राहु	22/06/2002	गुरु	26/02/2015	शनि	20/02/2024	बुध	18/10/2032
राहु	09/04/1989	गुरु	20/02/2005	शनि	08/02/2016	बुध	22/07/2025	केतु	16/03/2033
गुरु	16/03/1990	शनि	21/04/2008	बुध	15/12/2016	केतु	20/02/2026	शुक्र	16/05/2034
शनि	25/04/1991	बुध	20/02/2011	केतु	22/04/2017	शुक्र	22/10/2027	सूर्य	21/09/2034
बुध	21/04/1992	केतु	21/04/2012	शुक्र	22/04/2018	सूर्य	21/04/2028	चंद्र	22/04/2035

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/04/2035		22/04/2053		22/04/2069		21/04/2088		23/04/2105	
22/04/2053		22/04/2069		21/04/2088		23/04/2105		00/00/0000	
राहु	02/01/2038	गुरु	10/06/2055	शनि	24/04/2072	बुध	18/09/2090	केतु	19/09/2105
गुरु	28/05/2040	शनि	21/12/2057	बुध	02/01/2075	केतु	15/09/2091	शुक्र	29/07/2106
शनि	04/04/2043	बुध	28/03/2060	केतु	11/02/2076	शुक्र	16/07/2094		00/00/0000
बुध	21/10/2045	केतु	04/03/2061	शुक्र	13/04/2079	सूर्य	22/05/2095		00/00/0000
केतु	09/11/2046	शुक्र	03/11/2063	सूर्य	25/03/2080	चंद्र	21/10/2096		00/00/0000
शुक्र	08/11/2049	सूर्य	21/08/2064	चंद्र	24/10/2081	मंगल	18/10/2097		00/00/0000
सूर्य	03/10/2050	चंद्र	21/12/2065	मंगल	03/12/2082	राहु	08/05/2100		00/00/0000
चंद्र	03/04/2052	मंगल	27/11/2066	राहु	09/10/2085	गुरु	13/08/2102		00/00/0000
मंगल	22/04/2053	राहु	22/04/2069	गुरु	21/04/2088	शनि	23/04/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 8 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।